

STD - VI

Ch. 25

Date 15.01.22
(Saturday)

प्रश्न और उत्तर

Q-1 गुरु नानक पश्चिम दिशा में जल क्यों देने लगे ?

A- गुरु नानक पश्चिम दिशा में जल इसलिए देने लगे क्योंकि नानक का गांव पश्चिम दिशा में था, और उसी साल वहाँ बारिश अच्छी नहीं हुई थी। इसलिए नानक अपने खेतों को सीधने के लिए पश्चिम दिशा में जल देने लगे। (उत्तर - उत्तरी ओर पश्चिमी ओर दक्षिणी ओर)

Q- नानक का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

A- नानक का जन्म सन 1469 कार्तिक पूर्णिमा के दिन तलवंडी नामक गांव में हुआ। (उत्तर - उत्तरी ओर पश्चिमी ओर दक्षिणी ओर)

Q- नानक ने कृष्ण वर्ष की उम्र में पारसी और आरबी माधारे सौख्य ली थी ,

A- नानक ने कृष्ण वर्ष की उम्र में पारसी और आरबी माधारे सौख्य ली थी। (उत्तर - उत्तरी ओर पश्चिमी ओर दक्षिणी ओर)

Q- नानक किस उम्र में नौकरी करने लगे ?

A- सौलह वर्ष की उम्र में नानक नौकरी करने लगे ,

5- नानक नौकरी क्यों नहीं करना चाहते थे?

A- नानक जहाँ नौकरी करते थे वहाँ उनको एक मुसलमान सिनायक रबाब बजाया करता था, तो वे रोज उनके साथ मजन गाया करते थे, उससे उन्हें आत्मिय शांति मिलती थी; तो धीरे-धीरे नौकरी से उनका मन हँतकर प्रभु के गुण गान और प्रचार में लग गया। इसलिए वे नौकरी नहीं करना चाहते थे,

7- इनका नाम बताओ।

(अ) सिखों के पहले गुरु - गुरु नानक - ॥१॥

(ब) सिखों के दूसरे गुरु - गुरु अंगदेव - ॥२॥

(ग) सिखों के तीवं गुरु - गुरु तेगबहादुर - ॥३॥

(घ) सिखों के दसवें गुरु - गुरु गोविंद सिंह - ॥४॥

8- गुरु तेगबहादुर ने अपनी रचना के माध्यम से क्या कहा है?

A- हमारा बेसुध मन हमसे यह कह रहा है कि जाग जा, तुम्हारा उत्पन्न हुआ शरीर भी एक दिन तुम्हारा साथ छोड़ देगा, तुम्हारे माता-पिता, बंधु सखा जिन से तुमने इतना प्यार किया है, वह भी एक दिन तुम्हारा साथ छोड़ देंगे, जब तक तुम सांसारिक जीवन में बंधी हुए हो तब

तक तुम संसार को नहीं जान पायेगे। इसलिए अपने संसारिक जीवन को द्याग कर नानक के शुण जान करो, किंतु देखना तुम्हारे साथ सपने पूरे हो जायगा।

1- भाषा और व्याकरण

कौतुक - तमाशा - द्वरवा - सुरवा

सरवा - सूखा थोड़ा - ज्यादा

दमक - दमक - आना - जाना

नहाना - धूना छब - तब

पढ़ा - लिखा

2- धर्मजीवन का अध्ययन

प्रवर्तक

धर्मशास्त्र

बौद्ध धर्म - गोतम बौद्ध

धर्मचक्र प्रवर्तन

जीवन धर्म त्रैषष्मदेवी राजमायसार और तत्कालीन इस्लाम धर्म जो हजरत मुहम्मद नभी - खाली कुरान - आदि इस्लाम धर्म - इस्लाम चाहे तो उपर्युक्त बाहुबली फिर कोई एक जिंदगी के लिए नहीं रहता तो उसका जीवन नहीं रहता।